इंफोसिस के शेयरधारकों को हुआ 15,000 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली 16 अप्रैल (ए)। सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। शेयर बाजार खुलने के चंद मिनटों में ही इंफोसिस पर इसका सीधा असर दिखा। करीब एक घंटे के भीतर शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों में करीब 6 फीसदी की कमी देखी गई। गिरावट से कंपनी के निवेशकों को मिनटों में 15296.95 करोड़ रुपए का झटका लगा।बताया जा रहा है कि कंपनी के शेयरों में गिरावट की सबसे बड़ी वजह शुक्रवार को कंपनी के पहली तिमाही के परिणामों की वजह से हुई है। वैसे कंपनी के परिणाम जैसा कि उम्मीद की जा रही थी उसी लाइन पर आए थे।

मुनाफा 28 प्रतिशत घटकर 3690 करोड़ रहा

शुक्रवार की शाम वित्त वर्ष 2018 की चौथी तिमाही के लिए आईटी कंपनी इंफोसिस ने अपने परिणाम बताए थे। इसके अनुसार मुनाफा 28 फीसदी घटकर 3,690 करोड़ रुपए हो गया था। चौथी तिमाही में इंफोसिस की आय 1.62 फीसदी बढ़कर 18,083 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इंफोसिस की डॉलर आय 1.8 फीसदी बढ़कर 280.5 करोड़ डॉलर पर पहुंच गई है। वित्त वर्ष 2018 की तीसरी तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 5,129 करोड़ रुपए था। इसी के साथ इंफोसिस ने 20.5 रुपए प्रति शेयर के डिविडेंड का ऐलान किया था।

इंफोसिस 6 प्रतिशत तक टूटा

सोमवार के कारोबार में इंफोसिस की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। बीएसई पर स्टॉक 5.96 फीसदी गिरकर 1099.30 रुपए के भाव पर खुला। शुक्रवार को स्टॉक 1169 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान स्टॉक 5.98 फीसदी गिरकर 1099 रुपए के स्तर पर फिसल गया, जो इंट्रा-डे का लो लेवल है।

18 प्रतिशत गिरे यूको बैंक के शेयर

सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक के पूर्व सीएमडी अरुण कौल को 621 करोड़ रुपए के ऋण घोटाला मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद शेयर बाजार करीब 18 फीसदी गिर गए। कौल को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) ने गिरफ्तार किया है। बंबई शेयर बाजार में बैंक के शेयर 20 रुपए पर खुले और कुछ ही देर में 14.31 प्रतिशत गिरकर 52 सप्ताह के निचले स्तर 19.15 रुपए पर आ गए। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज में इसके शेयर 20.60 रुपए पर खुले और कुछ ही देर में 17.97 प्रतिशत गिरकर 18.25 रुपए पर आ गए। सी.बी.आई. ने 621 करोड़ रुपए के ऋण घोटाला मामले में कौल एवं अन्य लोगों को 14 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। इस घोटाले से बैंक को 737 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

वोडाफोन और आइडिया के विलय से जाएगी 5 हजार लोगों की नौकरी

नई दिल्ली 16 अप्रैल (ए)। वोडाफोन और आइडिया के कर्मचारियों की नौकरी पर जल्द ही गाज गिरने वाली है। कुछ ही दिनों में वोडाफोन और आइडिया का विलय होने वाला है। खबरों के मुताबिक दोनों कंपनियां करीब एक चौथाई यानि 5 हजार लोगों की छंटनी कर सकती है। बता दें कि दोनों कंपनियों में कुल मिलाकर 21 हजार लोग काम करते हैं।

क्यों की जा रही है छंटनी

दोनों कंपनियां अभी काफी घाटे में हैं। उन पर संयुक्त रूप से 1,20,000 करोड़ रुपए का कर्ज है। इसलिए विलय की प्रक्रिया को देखनेवाली नोडल टीम ने दोनों कंपनियों को अगले दो महीने में 5,000 कर्मचारियों की छंटनी करने को कहा है। विलय को टेलिकॉम विभाग को छोड़कर दूसरे रेग्युलेटर्स से मंजूरी मिल गई है। माना जा रहा है कि मई तक विलय प्रक्रिया पूरा हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, अप्रेजल के दौरान जिन कर्मचारियों की परफार्मेंस खराब रहेगी, उन्हें निकाला जा सकता है। इसके अलावा एक ही जॉब प्रोफाइल पर दोनों कंपनियों में काम कर रहे लोगों को भी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है।

बनेगी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी

टेलीकॉम इंडस्ट्री के मुताबिक, विलय के बाद बनने वाली कंपनी की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि कंपनी तेजी से बदलाव कैसे करती है, नेटवर्क बढ़ाने और प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर प्राइस कैसे तय करेगी। भारत में वोडाफोन दूसरे नंबर पर है और आइडिया तीसरे नंबर की टेलीकॉम कंपनी है। दोनों के विलय के बाद 41 करोड़ ग्राहकों की कंपनी बनेगी जिसका भारत के 42 टेलीकॉम बाजार पर कब्जा होगा। दोनों कंपनियों को जियो कड़ी टक्कर दे रही है।

इस साल बढ़ सकता है 15 प्रतिशत तक आपका वेतन

नई दिल्ली 16 अप्रैल (ए)। नियुक्तियों की रफ्तार बढने् से कंपनियों के ऊपर अच्छा प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को बरकरार रखने का दबाव है और इस कारण कर्मियों के वेतन में इस साल 9-12 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। मानव संसाधन (एचआर) विशेषज्ञों ने कहा कि बेहतर कर्मचारियों के वेतन में 15 प्रतिशत तक की वृद्धि का अनुमान है। उन्होंने कहा कि कंपनियां औसत और बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों में फर्क करने पर जोर दे रही हैं। वे इसके लिए वेतन वृद्धि आदि जैसे उपाय अपना रही हैं। उपभोक्ता आधारित क्षेत्र जैसे एफएमसीजी/ सीडी, खुदरा, मीडिया एवं विज्ञापन आदि इस साल सकारात्मक वेतन वृद्धि देने वाली हैं।

ग्लोबल हंट के प्रबंध निदेशक सुनील गोयल ने कहा, ''इस साल वेतनवृद्धि की दर 9-12 प्रतिशत रहेगी। यह पिछले साल की तुलना में कुछ अधिक है। वरिष्ठ पदों की तुलना में बीच के पदों पर वृद्धि की दर अधिक रहेगी।'' एंटल इंटरनेशनल इंडिया के एमडी जोसेफ देवासिया ने कहा कि 2016-17 के लिए वेतनवृद्धि पर नोटबंदी का कुछ असर पड़ा जबकि 2017-18 में माल एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) क्रियान्वयन ने कारोबार को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तथा रोजगार बाजार में अब तेजी आई है और 2018-19 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में काफी सकारात्मकता का अनुमान है। उन्होंने कहा, ''विभिन्न क्षेत्रों में नियुक्तियां तेज

सेलर फी स्ट्रक्चर में बदलाव करेगी फ्लिपकार्ट , ग्राहकों को होगा फायदा

बेंगलुरु16 अप्रैल (ए). ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट जल्द ही अपने सेलर फी स्ट्रक्चर में बदलाव करने जा रही है। इससे किताबों और कपड़ों में खासतौर पर 500 रुपए से कम के ऑर्डर्स सस्ते हो सकते हैं। वहीं, अमेजॉन भी इस हफ्ते से नए सेलर फी स्ट्रक्चर को लागू करने जा रही है। फ्लिपकार्ट ने पिछले साल नवंबर के बाद इस साल मार्च में सेलर फी में बदलाव किया था।

फिलहाल कंपनी ने नए सेलर फी स्ट्रक्चर को अंतिम रूप नहीं दिया है लेकिन इसके जरिए कंपनी 500 रुपए से कम कीमत के प्रॉडक्ट्स की बिक्री बढ़ाना चाहती है। हाल ही में कंपनी ने 300 रुपए से कम कीमत वाले प्रॉड्क्टस पर कई कैटिगरी में सेलर कमीशन घटाया था। कंपनी इन कदमों के जरिए सेलर्स पर सामान के दाम घटाने का दबाव बना रही है।

शिपिंग फी में भी होगा बदलाव -नए फी स्ट्रक्चर के तहत 500 रुपए से कम कीमत के प्रॉडक्ट्स पर फिक्स्ड फी कम की जा सकती है। हालांकि, इस बारे में फ्लिपकार्ट की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जानकारों के मुताबिक, कंपनी 300 रुपए से कम कीमत वाले टी-शर्ट, फोन कवर और किताबों पर सेलर्स की फीस कम कर सकती है। फी स्ट्रक्चर के साथ-साथ कंपनी शिपिंग फी में भी बदलाव करेगी।

हीरा कारोबारी ने पीएनबी समेत 6 बैंकों को लगाया 187 करोड़ का 'चूना'

नई दिल्ली 16 अप्रैल (ए)। पंजाब नैशनल बैंक (पी.एन.बी.) में आए दिन नए घोटालों का खुलासा हो रहा है। नीरव मोदी के 14,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के कथित घोटाले के बाद अब एक और मामला सामने आया है जिसमें नीरव मोदी की तरह एक हीरा कारोबारी ने पंजाब नैशनल बैंक समेत 6 बैंकों को 187 करोड़ रुपए का चूना लगाया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) ने इस कथित घोटाले को लेकर मामला दर्ज कर लिया है।

पी.एन.बी. बैंक के नेतृत्व वाले समूह ने कंपनी को 163 करोड़ रुपए की ऋण सुविधा को मंजूरी दी थी जिसमें पी.एन.बी. का हिस्सा 55 करोड़ रुपए है। सी.बी.आई. अधिकारियों ने बताया कि ऋण को 30 जून, 2014 में एन.पी.ए. घोषित कर दिया गया था। ऋण का भुगतान नहीं करने पर ऋण का कुल मूल्य बढ़ कर 187 करोड़ रुपए हो गया।

कंपनी के निदेशकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सी.बी.आई. ने दिल्ली की हीरा कारोबार कंपनी एस.एस.के. ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ पंजाब नैशनल बैंक के साथ 187 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने कहा कि कंपनी के निदेशकों सुरेंद्र कुमार बंसल और शेफाली बंसल के खिलाफ सी.बी.आई. ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकद्दमा दर्ज किया है।

बढ़ गई लोन की राशि

आरोप है कि कंपनी का चांदनी चौक में शोरूम है।

आईसीएआई ने ब्रैडी हाऊस शाखा के आडिटरों को भेजा नोटिस

भारतीय सनदी लेखा संस्थान (आई.सी.ए.आई.) ने पंजाब नैशनल बैंक की ब्रैडी हाऊस शाखा के सांविधिक आडिटरों को नोटस भेजकर उसके अनुशासन बोर्ड के समक्ष पेश होने को कहा है। पी.एन.बी. की इसी शाखा में नीरव मोदी से संबंधित 13,000 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। चार्टर्ड अकाऊंटैंट के शीर्ष संस्थान ने 2011-12 से 2016-17 तक के सांविधिक आडिटरों की सूची बनाई है और उन्हें अपनी अनुशासन बोर्ड के समक्ष पेश होने को कहा है।

आसियान से भारतीय कंपनियों को जोड़ने पर काम कर रही डीएचएल

सिंगापुर, 16 अप्रैल (ए)। वैश्विक लॉजिस्टिक कंपनी ड्यूश पोस्ट डीएचएल ग्रुप दक्षिणपूर्वी एशियाई बाजारों के साथ भारत के आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने के लिए आसियान आर्थिक समुदाय से भारतीय कंपनियों को जोड़ने का काम कर रही है।डीएचएल के अध्यक्ष (ग्लोबल फास्ट ग्रोइंग एंटरप्राइज एवं उपभोक्ता समाधान तथा नवोन्मेष के क्षेत्रीय प्रमुख (एशिया प्रशांत) अल्फ्रेड गोह ने कहा, ''भारत हमारे लिए मुख्य बाजार है। हम आसियान आर्थिक समुदाय में अपने उपभोक्ताओं को उनके तरीके से कार्य करने में मदद करेंगे जो भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के अनुकूल सुदूर पूर्वी बाजार में मददगार साबित होगा।'' उन्होंने कहा, ''हम 1.8 अरब लोगों की सामुहिक आबादी वाले इन बाजारों में अपनी उपस्थिति को भुनाना चाहते हैं तथा सीमा पार व्यापार एवं वाणिज्य के लिए कंपनियों से भागीदारी करना चाहते हैं।''

भारत जल्द शुरू करेगा गैस एक्सचेंज

नई दिल्ली 16 अप्रैल (ए)। सरकार ने इस साल अक्तूबर तक प्राकृतिक गैस की खरीद फरोख्त के लिए एक बड़ा एक्सचेंज (गैस विनिमय बाजार) शुरू करने की योजना बनाई है। इससे भारतीय गैस का एक मानक मूल्य तय हो सकेगा और इसकी खपत को बढ़ावा मिल सकेगा।

प्राकृतिक गैस की खपत को मिलेगा बढ़ावा -तेल एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने इसके लिए एक सलाहकार की नियुक्ति के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं जो भारतीय गैस विनिमय बाजार की स्थापना तथा उसकी नियामकीय रूपरेखा आदि के बारे में सलाह देगा। निविदा में कहा गया है, ''देश में प्राकृतिक गैस की खपत को बढ़ावा देने के लिए सरकार एक गैस कारोबार केन्द्र अथवा एक्सचेंज स्थापित करने पर विचार कर रही है। वर्तमान में प्राकृतिक गैस के कई तरह के फार्मुलों पर आधारित मूल्य के बजाय इस एक्सचेंज के जरिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाजार आधारित प्रणाली के तहत हो सकेगी।''

सरकार तय करती है मूल्य-वर्तमान में घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस का मूल्य सरकार तय करती है। यह दर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और रूस में प्रचलित गैस के मूल्यों के आधार पर तय किए जाते हैं जो गैस के शुद्ध निर्यातक है। इसकी हर छठे माह समीक्षा की जाती है इस आधार पर गैस का दाम वचर्तमान में 3.06 डालर प्रति इकाई (एमएमबीटीयू) है। यह दाम एक अप्रैल से शुरू होकर छह माह के लिए लागू है। दूसरी तरफ देश में आयातित एलएनजी का दाम 7.5 डॉलर प्रति दस लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट पड़ता है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने कहा है कि पेट्रलियम मंत्रालय ने उससे कहा है कि वह देश में गैस खरीद-फरोख्त, एक्सचेंज की स्थापना और उसके संचालन के लिए जरूरी नियामकीय रूपरेखा तैयार करे।

थोक महंगाई मामूली घटी, मार्च में घटकर 2.47 प्रतिशत

नई दिल्ली 16 अप्रैल (ए)। मार्च में थोक महंगाई में मामूली गिरावट देखने को मिली है। मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 2.47 फीसदी रही है। फरवरी में थोक महंगाई दर 2.48 फीसदी रही थी। मार्च में थोक महंगाई दर पिछले 9 महीनों के निचले स्तर पर रही है। बता दें कि जनवरी की थोक महंगाई दर 2.84 फीसदी से संशोधित करके 3.02 की गई है।महीने दर महीने आधार पर मार्च में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 3.04 फीसदी से घटकर 3.03 फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर मार्च में प्राइमरी आर्टिकल्स की थोक महंगाई दर 0.79 फीसदी से घटकर 0.0.24 फीसदी रही है।

खाद्य महंगाई ने दी राहत

महीने दर महीने आधार पर मार्च में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई दर 0.07 फीसदी से घटकर -0.07 फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर मार्च में सब्जियों की थोक महंगाई दर 15.26 फीसदी से घटकर -2.7 फीसदी रही है।महीने दर महीने आधार पर मार्च में ईंधन और ऊर्जा की थोक महंगाई दर 3.81 फीसदी से बढ़कर 4.70 फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर मार्च में नान-फूड ऑर्टिकल्स की थोक महंगाई दर -2.66 फीसदी के मुकाबले -1.39 फीसदी रही है।महीने दर महीने आधार पर मार्च में अंडा, मांस और मछली की थोक महंगाई दर -0.22 फीसदी के मुकाबले -0.82 फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर मार्च में फूड ऑर्टिकल्स की थोक महंगाई दर 0.88 फीसदी के मुकाबले -0.29 फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर मार्च में दालों की थोक महंगाई दर -24.51 फीसदी के मुकाबले -20.58 फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर मार्च में प्याज की थोक महंगाई दर 118.95 फीसदी के मुकाबले 42.22 फीसदी रही है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली 16 अप्रैल (ए)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिश्रित रुख रहने के बीच घरेलू बाजार में ऊंचे दाम के कारण कारोबार सुस्त रहने से दिल्ली सर्राफा बाजार में आज सोना 50 रुपए लुढक्कर 32,050 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। सिक्का निर्माताओं के उठाव में कमी आने से चांदी भी 100 रुपए फिसलकर 39,900 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लंदन का सोना हाजिर 1.35 डॉलर की गिरावट में 1,344.60 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा हालांकि 0.2 डॉलर की बढ़त में 1,348.10 डॉलर प्रति औंस बोला गया। विश्लेषकों के मुताबिक सीरिया पर अमेरिका ,ब्रिटेन और फ्रांस के संयुक्त हमले के कारण निवेशकों का रुझान पीली धातु में बढ़ा है लेकिन दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर के मजबूत होने से इसकी बढ़त सीमित है। घरेलू बाजार में अक्षय तृतीया के कारण सर्राफा कारोबारियों की मांग बढ़ी है लेकिन ऊंची कीमत के कारण कारोबार सुस्त पड़ा है। सोने की तरह चांदी हाजिर भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 0.01 डॉलर फिसलकर 16.59 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

बाजार में बढ़त, सैंसेक्स 113 अंक चढ़ा और निफ्टी 10530 के करीब बंद

नई दिल्ली 16 अप्रैल (ए)। ग्लोबल बाजारों से मिले मजबूत संकेतों से आज भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार के अंत में आज सैंसेक्स 112.78 अंक यानि 0.33 फीसदी बढ़कर 34,305.43 पर और निफ्टी 47.75 अंक यानि 0.46 फीसदी बढ़कर 10,528.35 पर बंद हुआ।

मिड-स्मॉलकैप शेयरों में बढ़त-मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी खरीदारी दिखी है। बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में 0.34 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.56 फीसदी बढ़त दर्ज की गई है। निफ्टी का मिडकैप 100 इंडेक्स 0.80 फीसदी तक बढ़कर बंद हुआ है।

बैंक निफ्टी में तेजी-बैंकिंग शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। ऑटो, फार्मा और एफएमसीजी शेयरों में बढ़त दर्ज की गई है। बैंक निफ्टी इंडेक्स 0.48 फीसदी, निफ्टी ऑटो 0.35 फीसदी, मेटल शेयर 0.16 फीसदी और एफएमसीजी शेयर 1.05 फीसदी बढ़े हैं। आईटी शेयरों में 0.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

यूको बैंक और इंफोसिस के शेयर्स गिरे-यूको बैंक के पूर्व सीएमडी के ऊपर आरोप लगा है कि उसने आरोपियों के साथ मिलकर बैंक को 621 करोड़ रुपए का चूना लगा दिया। इस खबर से सोमवार के कारोबार में यूको बैंक का शेयर 18 फीसदी टूट गया। दूसरी और देश की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस लिमिटेड के चौथी तिमाही के नतीजे शुक्रवार को जारी हुए हैं। चौथी तिमाही में इंफोसिस के नतीजे उम्मीद के मुताबिक रहे। लेकिन कंपनी ने जो ग्रोथ गाइडेंस दी है वह आईटी इंडस्ट्री बॉडी नैस्कॉम के दिए 7-9त्र के टारगेट से बेहतर नहीं होगी। इससे निवेशकों को निराशा हुई, जिस स्टॉक 6 फीसदी तक टूट गया।

टॉप गेनर्स-सिप्ला, यूपीएल, हीरो मोटोकॉर्प, बजाज ऑटो, कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा

टॉप लूजर्स-टाटा मोटर्स, इंफोसिस, विप्रो, गेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आइडिया

अल्ट्राटेक ने बिनानी सीमेंट के लिए दिया 7,990 करोड़ का नया ऑफर

मुंबई 16 अप्रैल (ए)। बिनानी सीमेंट को खरीदने के लिए डालमिया भारत की अगुवाई वाले ग्रुप से बिडिंग में मात खाने वाली अल्ट्राटेक सीमेंट ने 7,990 करोड़ रुपए का एक और ऑफर दिया है। यह उसके पिछले ऑफर से 700 करोड़ रुपए अधिक है। इसके साथ ही डालमिया ग्रुप और अल्ट्राटेक की ओर से दिए गए ऑफर के बीच अंतर बढ़कर 1,290 करोड़ रुपए हो गया है।सूत्रों ने बताया कि अल्ट्राटेक ने नया ऑफर रेज़ॉलूशन प्रफ़ेशनल को शनिवार को सौंपा। अल्ट्राटेक की दलील है कि वह उस इंट्रेस्ट का भुगतान करेगी, जिसका नुकसान बैंकों को बिनानी सीमेंट का मामला

बैंकरप्सी कोर्ट में जाने के बाद उठाना पड़ा है। एक बैंक एग्जिक्युटिव ने कहा, 'यह बहुत आकर्षक ऑफर है लेकिन सबसे बड़ी रुकावट यह है कि अल्ट्राटेक का ऑफर बिडिंग बंद होने के बाद दिया गया है।' इस बारे में अल्ट्राटेक और डालमिया को भेजे गए सवालों का जवाब नहीं मिला। इससे पहले अल्ट्राटेक ने डालमिया की अगुवाई वाले ग्रुप की 6,700 करोड़